चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 23 जुलाई 2026, अंक –318.

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

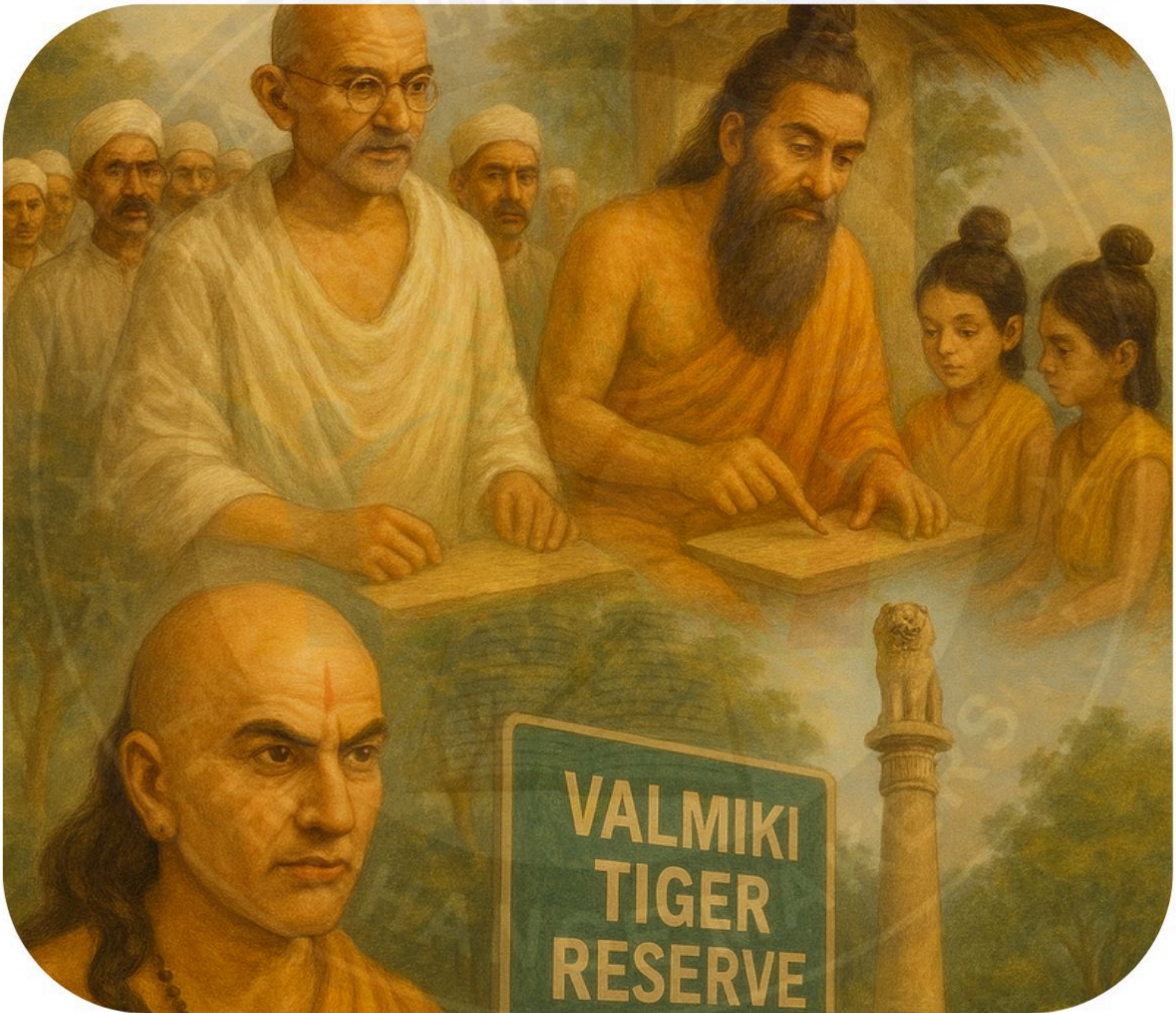

"विद्वान सर्वत्र पूज्यते" (विद्वान की सब जगह पूजा होती है)।

— चाणक्य

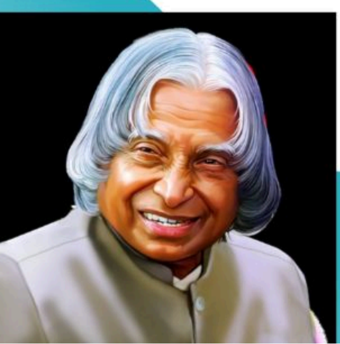

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादकः- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Thursday Prayer

मुझे इस दुनिया में लाया, मुझे बोलना चलना सिखाया
ओ मात पिता तुम्हे वंदन, मैंने किस्मत से तुझे पाया।

मैं जब से जग में आया, बन तब से शीतल छाया,
कभी सहलाया गोदी में, कभी कांधे पर है बिठाया।
मेरे सिर पर हाथ रख कर, बस प्यार ही प्यार लुटाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन....

मैं उठाकर सर चल पाऊ, इस लायक तुमने किया है।
कहीं हाथ नहीं फैलाऊ, मुझे इतना तुमने दिया है।
मुझे जग की रीत सिखाई, मुझे धर्म का पाठ पढ़ाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन....

मां-बाप की आंखों से मैं, आंसू बनकर ना गीरूगा।
मां बाप का दिल जो दुखा दे, मैं ऐसा कुछ ना करूंगा।
मां बाप के रूप में मैंने, भगवान को जैसे पाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन ....

जब देव भी मात पिता के, उपकार चुका ना पाए।
नागोड़ा दरबार प्रदीप, किन शब्दों में गुण गाए।
मैं फर्ज निभा पाऊं तो, समझूंगा अंश चुकाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन ..

मुझे इस दुनिया में लाया मुझे बोलना चलना सिखाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन....

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

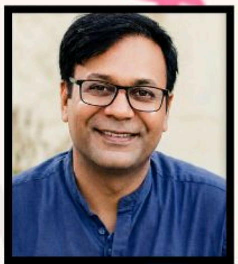

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. न्यूज़ीलैंड की राजधानी क्या है?
उत्तर: वेलिंगटन
प्रश्न 2. भारत में पहली यात्री रेलगाड़ी किन दो स्थानों के बीच चली थी?
उत्तर: मुंबई–ठाणे
प्रश्न 3. 'पंथी' किस राज्य का प्रसिद्ध लोकनृत्य है?
उत्तर: छत्तीसगढ़
प्रश्न 4. 64 का वर्गमूल (Square Root) क्या है?
उत्तर: 8
प्रश्न 5. बिहार का प्रसिद्ध 'मनेर शरीफ' किस जिले में स्थित है?
उत्तर: पटना
प्रश्न 6. नोकरेक राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है?
उत्तर: मेघालय
प्रश्न 7. रेफ्रिजरेटर (Refrigerator) के आधुनिक विकास में किस आविष्कारक का महत्वपूर्ण योगदान माना जाता है?
उत्तर: जेम्स हैरिसन
प्रश्न 8. भारतीय संविधान में 'संघ की राजभाषा' का उल्लेख किस अनुच्छेद में है?
उत्तर: अनुच्छेद 343
प्रश्न 9. 'जो कम बोलता हो' — उसके लिए एक शब्द क्या है?
उत्तर: मितभाषी
प्रश्न 10. सूर्य के सबसे निकट कौन-सा ग्रह है?
उत्तर: बुध

संकलन:-

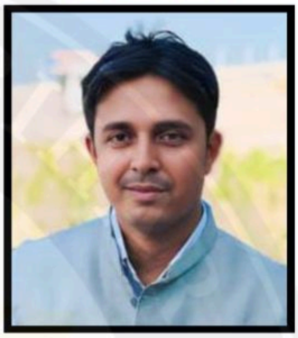

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Pillowcase – (पिलोकेस) – तकिए का गिलाफ
Bedsheet – (बेडशीट) – चादर
Quilt – (क्विल्ट) – रजाई
Mattress Cover – (मैट्रेस कवर) – गद्दे का कवर
Hanger – (हैंगर) – कपड़े टाँगने का हैंगर
Doormat – (डोरमैट) – पायदान
Laundry – (लॉन्ड्री) – कपड़े धोने का काम / धुले कपड़े

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: Simple Future Tense – “तुम ... करोगे/करोगी” (You will ...)

तुम कल पढ़ोगे/पढ़ोगी। – You will study tomorrow.
तुम मेरी मदद करोगे/करोगी। – You will help me.
तुम समय पर आओगे/आओगी। – You will come on time.
तुम अपना काम पूरा करोगे/करोगी। – You will finish your work.
तुम अंग्रेज़ी सीखोगे/सीखोगी। – You will learn English.

संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. 23 जुलाई को भारत में कौन सा महत्वपूर्ण दिवस मनाया जाता है? (महत्वपूर्ण दिवस)

उत्तर: लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक जन्म जयंती

व्याख्या: 23 जुलाई 1856 को महाराष्ट्र के रत्नागिरि में जन्मे बाल गंगाधर तिलक को "लोकमान्य" की उपाधि प्राप्त थी। वे भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के "गरम दल" के सर्वप्रमुख नेता थे। उनका प्रसिद्ध नारा था — "स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूँगा।" उन्होंने "केसरी" (मराठी) और "मराठा" (अंग्रेजी) समाचारपत्रों का संपादन किया। सार्वजनिक "गणेश उत्सव" (1893) और "शिवाजी महोत्सव" (1896) को राष्ट्रीय चेतना जागृत करने के माध्यम के रूप में आरंभ किया। 1908 में उन्हें "राजद्रोह" के आरोप में 6 वर्ष के कारावास की सजा हुई जिसके दौरान उन्होंने "गीता रहस्य" की रचना की। 1 अगस्त 1920 को उनका निधन हुआ।

संदर्भ: NCERT History Class 10, Ch 2 Nationalism in India, p. 16–18;

प्र.2. 20 जुलाई 2026 को भारत WTO के "मत्स्य सब्सिडी समझौते" (Agreement on Fisheries Subsidies) को स्वीकार करने वाला 123वाँ सदस्य बना — यह समझौता विशेष रूप से क्यों ऐतिहासिक है? (समसामयिक घटना)

उत्तर: WTO का पहला बहुपक्षीय पर्यावरणीय स्थिरता समझौता

व्याख्या: भारत 20 जुलाई 2026 को WTO के "Agreement on Fisheries Subsidies (AFS)" को स्वीकार करने वाला 123वाँ सदस्य बना। (Legacy IAS Academy) यह समझौता जून 2022 में जिनेवा में आयोजित 12वें WTO मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (MC12) में सर्वसम्मति से अपनाया गया था और यह WTO का पहला बहुपक्षीय समझौता है जिसका उद्देश्य पर्यावरणीय स्थिरता है। (Observer Voice) यह समझौता तीन प्रकार की मछली पकड़ने की गतिविधियों पर सब्सिडी पर प्रतिबंध लगाता है: अवैध, अनियमित मछली पकड़ने (IUU); अनियंत्रित उच्च समुद्र पर संचालन; और अत्यधिक मछली पकड़े जाने वाले स्टॉक की कटाई। (Legacy IAS Academy) भारत के 90 लाख मछुआरा परिवारों को इससे समुद्री मत्स्य-भंडार सुरक्षा का लाभ मिलेगा। भारत $8.46 अरब का वार्षिक समुद्री भोजन निर्यात करता है। SDG-14 (जल के नीचे जीवन) के कार्यान्वयन में यह समझौता मील का पत्थर है।

प्र.3. "गीता रहस्य" पुस्तक के लेखक कौन हैं जो उन्होंने 6 वर्ष के कारावास के दौरान लिखी — और इसमें किस दार्शनिक विषय का प्रतिपादन किया गया है? (पुस्तक एवं लेखक)

उत्तर: बाल गंगाधर तिलक; "कर्मयोग" की श्रेष्ठता

व्याख्या: "गीता रहस्य" (अथवा "श्रीमद्भगवद्गीता रहस्य") लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की सर्वाधिक महत्वपूर्ण दार्शनिक-साहित्यिक कृति है जो उन्होंने 1908-1914 के मांडले (बर्मा) कारावास के दौरान लिखी। यह मूलतः मराठी में रचित है। इसमें तिलक ने भगवद्गीता की पुनर्व्याख्या करते हुए "कर्मयोग" (निष्काम कर्म) को ज्ञान और भक्ति योग से श्रेष्ठ बताया। उन्होंने गीता को केवल आध्यात्मिक नहीं बल्कि जीवन-संग्राम और राष्ट्रसेवा का प्रेरणाग्रंथ बताया। इस कृति ने स्वतंत्रता सेनानियों को अपार प्रेरणा दी। इसी दिवस (23 जुलाई) को तिलक जयंती पर यह प्रश्न विशेष रूप से प्रासंगिक है।

संदर्भ: बाल गंगाधर तिलक — "गीता रहस्य", 1915; NCERT History Class 10, Ch 2 Nationalism in

प्र.4. "जैव विविधता" (Biodiversity) के तीन स्तर कौन से हैं जो NCERT में वर्णित हैं और भारत जैव विविधता में विश्व में इतना समृद्ध क्यों है? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)

उत्तर: आनुवंशिक, प्रजाति और पारिस्थितिकी तंत्र विविधता; उष्णकटिबंधीय जलवायु, विविध भूगोल

व्याख्या: NCERT के अनुसार जैव विविधता के तीन स्तर हैं: (1) आनुवंशिक विविधता (Genetic Diversity): एक ही प्रजाति के व्यक्तियों के बीच आनुवंशिक अंतर — जैसे धान की 50,000 से अधिक किस्में; (2) प्रजाति विविधता (Species Diversity): एक क्षेत्र में विभिन्न प्रजातियों की संख्या; (3) पारिस्थितिक तंत्र विविधता (Ecosystem Diversity): विभिन्न प्रकार के पारिस्थितिकी तंत्र — मरुस्थल, वन, आर्द्रभूमि आदि। भारत जैव विविधता में इसलिए समृद्ध है क्योंकि: उष्णकटिबंधीय जलवायु, हिमालय से लेकर समुद्र तक विविध भूगोल, मानसून, और लाखों वर्षों का अलग-थलग विकास। भारत "विश्व के 17 महामेगा-विविधता देशों" (Mega-Biodiversity Countries) में से एक है।

संदर्भ: NCERT Science Class 8, Ch 7 Conservation of Plants and Animals, p. 85–88;

प्र.5. "मुगल साम्राज्य" में "मनसबदारी प्रणाली" (Mansabdari System) क्या थी — इसे किस मुगल सम्राट ने लागू किया और "जात" एवं "सवार" का क्या अर्थ था? (इतिहास)

उत्तर: अकबर; सैन्य-प्रशासनिक ढाँचा; जात = पद-श्रेणी; सवार = घुड़सवार संख्या

व्याख्या: "मनसबदारी प्रणाली" मुगल सम्राट अकबर (1556-1605) द्वारा स्थापित एक केंद्रीकृत सैन्य-प्रशासनिक व्यवस्था थी। "मनसब" का अर्थ "पद" या "श्रेणी" था। प्रत्येक अधिकारी को दो रैंक मिलते थे: (1) जात (Zat): अधिकारी की व्यक्तिगत पद-श्रेणी और वेतन निर्धारित करती थी; (2) सवार (Sawar): अधिकारी को कितने घुड़सवार सैनिक रखने होंगे, यह बताती थी। मनसबदार 10 से 10,000 तक की श्रेणी में होते थे। सर्वोच्च मनसब केवल शाही राजकुमारों को मिलता था। यह प्रणाली वंशानुगत नहीं थी — मृत्यु के बाद रैंक समाप्त हो जाती थी। इसने केंद्रीय सत्ता को मजबूत किया।

संदर्भ: NCERT History Class 7, Ch 4 The Mughal Empire, p. 46–50.

प्र.6. "भारत के पर्वतीय दर्रों" (Mountain Passes) में "बोमडिला दर्रा" और "दिफू दर्रा" किस राज्य में स्थित हैं और ये किन देशों को भारत से जोड़ते हैं? (भूगोल)
उत्तर: अरुणाचल प्रदेश; चीन और म्यांमार
व्याख्या: भारत के पूर्वोत्तर में स्थित अरुणाचल प्रदेश में दो महत्वपूर्ण दर्रे हैं: (1) बोमडिला दर्रा (Bomdi La Pass): अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम कामेंग जिले में हिमालय पर स्थित है जो भारत को तिब्बत (चीन) से जोड़ता है। 1962 के भारत-चीन युद्ध में यह क्षेत्र युद्धक्षेत्र बना था; (2) दिफू दर्रा (Difu La Pass): अरुणाचल प्रदेश को म्यांमार से जोड़ता है। ये दर्रे रणनीतिक और व्यापारिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। UPSC में पर्वतीय दर्रे और उनकी भौगोलिक-रणनीतिक स्थिति एक महत्वपूर्ण विषय है। भारत के प्रमुख दर्रों में जोजिला (J&K→ लद्दाख), रोहतांग (HP), नाथुला (सिक्किम→ चीन), बोमडिला और शिपकिला प्रमुख हैं।
संदर्भ: NCERT Geography Class 9, Ch 2 Physical Features of India, p. 14–16

प्र.7. "राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग" (NHRC) की स्थापना किस अधिनियम के तहत हुई, इसके अध्यक्ष कौन हो सकते हैं और यह किन विषयों की शिकायतें स्वीकार नहीं करता? (राजनीति एवं संविधान)
उत्तर: मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम 1993; सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश; 1 वर्ष से पुरानी और सशस्त्र बल संबंधी शिकायतें
व्याख्या: "राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग" (NHRC) की स्थापना "मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993" के अंतर्गत 12 अक्टूबर 1993 को हुई। NHRC के अध्यक्ष भारत के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश होते हैं। NHRC निम्न विषयों पर शिकायत स्वीकार नहीं करता: (1) 1 वर्ष से अधिक पुरानी घटनाएँ; (2) सशस्त्र बल (Armed Forces) के विरुद्ध शिकायतें — इन पर इसकी अनुशंसा करने की सीमित शक्ति है; (3) न्यायाधीन (sub judice) मामले। इसे "दाँत विहीन बाघ" (Toothless Tiger) भी कहा जाता है क्योंकि इसकी सिफारिशें बाध्यकारी नहीं हैं। NHRC का मुख्यालय नई दिल्ली में है।
संदर्भ: NCERT Political Science Class 9, Ch 5 Democratic Rights, p. 94–95

प्र.8. "विद्युत चुंबकीय प्रेरण" (Electromagnetic Induction) किसे कहते हैं, इसका सिद्धांत किसने दिया और इसका व्यावहारिक उपयोग क्या है? (विज्ञान)
उत्तर: चुंबकीय क्षेत्र में परिवर्तन से विद्युत धारा उत्पन्न होना; माइकल फैराडे (1831); जनरेटर, ट्रांसफॉर्मर
व्याख्या: "विद्युत चुंबकीय प्रेरण" (Electromagnetic Induction) वह घटना है जिसमें किसी चालक (conductor) के पास से गुजरने वाले चुंबकीय क्षेत्र में परिवर्तन होने पर उस चालक में विद्युत धारा (Current) उत्पन्न होती है। इस सिद्धांत की खोज ब्रिटिश वैज्ञानिक माइकल फैराडे ने 1831 में की थी। फैराडे के नियम के अनुसार: प्रेरित EMF, चुंबकीय फ्लक्स के परिवर्तन की दर के समानुपाती है। व्यावहारिक उपयोग: (1) विद्युत जनरेटर (Generator): यांत्रिक ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा में बदलता है; (2) ट्रांसफॉर्मर (Transformer): वोल्टेज बढ़ाता-घटाता है; (3) इंडक्शन कुकर। आधुनिक सभ्यता की लगभग सारी विद्युत शक्ति इसी सिद्धांत पर आधारित है।
संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 13 Magnetic Effects of Electric Current, p. 189–192.

प्र.9. "ओडिसी नृत्य" (Odissi Dance) किस राज्य की शास्त्रीय नृत्य शैली है, इसका उद्गम किन स्थानों से हुआ और इसकी प्रमुख मुद्रा कौन सी है? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: ओडिशा; जगन्नाथ मंदिर (पुरी) और मंदिर महरी परंपरा; "त्रिभंगी" मुद्रा
व्याख्या: ओडिसी (Odissi) ओडिशा की प्राचीन शास्त्रीय नृत्य शैली है जिसका उद्गम पुरी के जगन्नाथ मंदिर की "महरी" (मंदिर नृत्यांगना) परंपरा से हुआ। इसमें शरीर की "त्रिभंगी" (Tribhangi) मुद्रा सबसे विशिष्ट है जिसमें शरीर तीन बिंदुओं — सिर, वक्ष और कटि — पर एस-आकार में मुड़ा होता है। ओडिसी नृत्य में "भूमि प्रणाम" (धरती का अभिवादन) से प्रारंभ होता है। गुरु केलुचरण महापात्र ने इसे आधुनिक काल में संहिताबद्ध किया। 1958 में संगीत नाटक अकादमी ने इसे शास्त्रीय दर्जा दिया। इसमें राधा-कृष्ण और भगवान जगन्नाथ की भक्ति-कथाएँ प्रमुखता से प्रस्तुत होती हैं।
संदर्भ: NCERT Class 11 — An Introduction to Indian Art, Ch 6 Performing Arts, p. 76–77;

प्र.10. बिहार का "सुपौल जिला" किस कारण से विशेष रूप से प्रसिद्ध है और "कोसी नदी" को "बिहार का शोक" क्यों कहा जाता है? (बिहार सामान्य ज्ञान)
उत्तर: कोसी नदी बाढ़ क्षेत्र; मार्ग परिवर्तन और विनाशकारी बाढ़ के कारण
व्याख्या: सुपौल जिला बिहार के कोसी प्रमंडल में स्थित है और "कोसी नदी" बाढ़ के लिए कुख्यात यह जिला प्रतिवर्ष बाढ़ की सर्वाधिक मार झेलता है। कोसी नदी को "बिहार का शोक" इसलिए कहते हैं क्योंकि: (1) यह पिछले 200 वर्षों में 120 किमी पश्चिम की ओर मार्ग बदल चुकी है — इसे "अस्थिर नदी" कहते हैं; (2) 2008 में कुसहा (नेपाल) में तटबंध टूटने से सुपौल, सहरसा, मधेपुरा में भयंकर बाढ़ आई थी जिसमें हजारों लोग प्रभावित हुए; (3) हिमालय से भारी मात्रा में अवसाद लाने के कारण इसकी तलहटी ऊँची होती जाती है जिससे नदी किनारों से बाहर निकलती है। "कोसी परियोजना" (भारत-नेपाल, 1954) से कुछ नियंत्रण संभव हुआ है।
संदर्भ: Bihar Water Resources Department — Kosi River Records

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत अगस्त माह में "भूकंप सुरक्षा" (Earthquake Safety) प्रारंभ होती है – भूकंप आने पर विद्यालय में बच्चों को सर्वप्रथम क्या करना चाहिए? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: "ड्रॉप-कवर-होल्ड" (Drop-Cover-Hold On) की मुद्रा अपनाएँ

व्याख्या: BSDMA के मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के अनुसार, अगस्त माह में "भूकंप सुरक्षा मॉड्यूल" प्रारंभ होता है। भूकंप के झटके महसूस होने पर बच्चों को तत्काल "ड्रॉप-कवर-होल्ड ऑन" तकनीक अपनानी चाहिए: (1) ड्रॉप (Drop): तुरंत घुटनों और हाथों पर झुक जाएँ; (2) कवर (Cover): मेज/डेस्क के नीचे आ जाएँ और सिर व गर्दन को हाथों से ढकें – यदि मेज नहीं है तो दीवार से सटकर सिर ढकें; (3) होल्ड ऑन (Hold On): मेज को पकड़े रहें और झटका रुकने तक स्थिर रहें। दरवाजे के नीचे खड़े होना अब सुरक्षित नहीं माना जाता। खिड़कियों, अलमारियों और बाहरी दरवाजों से दूर रहें।

संदर्भ: BSDMA Earthquake Safety Module – Vidyalaya Suraksha Karyakram August W1; bsdma.org;

प्र.12. एक संख्या को 5 से गुणा करके उसमें 10 जोड़ा जाए तो 60 मिलता है। उसी संख्या को 3 से गुणा करके उसमें से 5 घटाया जाए तो क्या मिलेगा? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)

उत्तर: 25

व्याख्या: चरण 1 – संख्या ज्ञात करें: $5x + 10 = 60 \rightarrow 5x = 50 \rightarrow x = 10$। चरण 2 – दूसरा समीकरण हल करें: $3x - 5 = 3\times10 - 5 = 30 - 5 = 25$। सत्यापन: $5\times10 + 10 = 60$ ✓; $3\times10 - 5 = 25$ ✓। यह "द्वि-चरण रैखिक समीकरण" प्रश्न है जो पहले अज्ञात संख्या ज्ञात करवाता है फिर उसे दूसरे व्यंजन में प्रतिस्थापित कराता है। ऐसे प्रश्न SSC, Railway, BPSC और Bank PO परीक्षाओं में Quantitative Aptitude में प्रायः पूछे जाते हैं।

संदर्भ: NCERT Mathematics Class 8, Ch 2 Linear Equations in One Variable, p. 21–28;

GS संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

Govt. PS बोदसर

बगहा-2, प. चम्पारण।

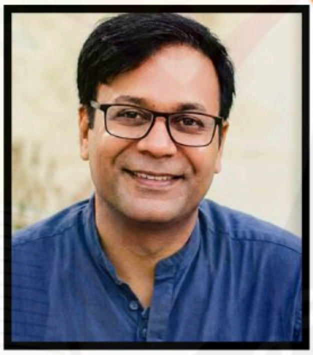

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Fathom (फैदम) = Understand (अंडरस्टैंड) = गहराई से समझना
  Antonym – Misunderstand (मिसअंडरस्टैंड) = गलत समझना

Glib (ग्लिब) = Smooth-talking (स्मूद-टॉकिंग) = चिकनी-चुपड़ी बातें करने वाला
  Antonym – Hesitant (हेज़िटेन्ट) = झिझकने वाला

Hinder (हिन्डर) = Obstruct (ऑब्स्ट्रक्ट) = बाधा डालना / रोकना
  Antonym – Facilitate (फैसिलिटेट) = सुगम बनाना

Incessant (इन्सेसन्ट) = Unceasing (अनसीसिंग) = निरंतर / लगातार
  Antonym – Intermittent (इन्टरमिटेन्ट) = रुक-रुक कर होने वाला

Jocular (जोक्युलर) = Humorous (ह्यूमरस) = हास्यपूर्ण / मज़ाकिया
  Antonym – Serious (सीरियस) = गंभीर

~: संकलन :~

राकेश कुमार राव

प्रधानाध्यापक

PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय

वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

अनुभाग-5

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

English Headline: Union Ministry of Rural Development Unveils 'Pradhan Mantri Gram Sadak Yojana (PMGSY) Phase-IV' to Connect Remote Rural Habitats with All-Weather Roads.
हिन्दी अनुवाद: केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय ने दूरदराज के ग्रामीण इलाकों को बारहमासी सड़कों से जोड़ने के लिए 'प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (PMGSY) चरण-IV' का अनावरण किया।
ग्रामीण भारत के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में केंद्र सरकार ने PMGSY के चौथे चरण की शुरुआत की है। इस योजना के तहत देश भर के दुर्गम और पहाड़ी क्षेत्रों की बस्तियों को बारहमासी पक्की सड़कों से जोड़ा जाएगा, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी और स्वास्थ्य एवं शिक्षा सुविधाओं तक पहुंच आसान होगी।

English Headline: Union Ministry of Rural Development Unveils 'Pradhan Mantri Gram Sadak Yojana (PMGSY) Phase-IV' to Connect Remote Rural Habitats with All-Weather Roads.
हिन्दी अनुवाद: केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय ने दूरदराज के ग्रामीण इलाकों को बारहमासी सड़कों से जोड़ने के लिए 'प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (PMGSY) चरण-IV' का अनावरण किया।
ग्रामीण भारत के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में केंद्र सरकार ने PMGSY के चौथे चरण की शुरुआत की है। इस योजना के तहत देश भर के दुर्गम और पहाड़ी क्षेत्रों की बस्तियों को बारहमासी पक्की सड़कों से जोड़ा जाएगा, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी और स्वास्थ्य एवं शिक्षा सुविधाओं तक पहुंच आसान होगी।

English Headline: ISRO and Department of Space Formally Launch 'Antariksh Abhyas 2026', a Joint Table-Top Exercise on Space Domain Awareness and Asset Defense.
हिन्दी अनुवाद: इसरो और अंतरिक्ष विभाग ने अंतरिक्ष डोमेन जागरूकता और संपत्ति रक्षा पर एक संयुक्त टेबल-टॉप अभ्यास 'अंतरिक्ष अभ्यास 2026' का औपचारिक शुभारंभ किया।
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने भारतीय सशस्त्र बलों और वैज्ञानिक निकायों के साथ मिलकर इस राष्ट्रीय अभ्यास की शुरुआत की है। इसका मुख्य उद्देश्य पृथ्वी की कक्षा में तैनात भारतीय उपग्रहों की सुरक्षा सुनिश्चित करना, अंतरिक्ष मलबे (Space Debris) की निगरानी करना और परिचालन समन्वय को मजबूत करना है।

INTERNATIONAL NEWS

English Headline: UN Economic and Social Council (ECOSOC) Passes Resolution Establishing Standardized Framework for Sustainable AI in Agriculture.
हिन्दी अनुवाद: संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक परिषद (ECOSOC) ने कृषि में सतत एआई के लिए मानकीकृत ढांचा स्थापित करने का प्रस्ताव पारित किया।
न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित सत्र के दौरान ECOSOC के सदस्य देशों ने जलवायु-लचीली कृषि को बढ़ावा देने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) और डेटा-संचालित तकनीकों के जिम्मेदार उपयोग पर सहमति व्यक्त की। इस प्रस्ताव का उद्देश्य खाद्य सुरक्षा और मृदा स्वास्थ्य को बनाए रखते हुए छोटी जोत वाले किसानों तक तकनीक की पहुंच बनाना है।

English Headline: World Bank Releases 'Global Logistics and Trade Facilitation Report 2026', Citing Infrastructure Reforms in Emerging Markets.
हिन्दी अनुवाद: विश्व बैंक ने 'वैश्विक रसद और व्यापार सुगमता रिपोर्ट 2026' जारी की, जिसमें उभरते बाजारों में बुनियादी ढांचा सुधारों की सराहना की गई।
विश्व बैंक द्वारा जारी नवीनतम रिपोर्ट में विकासशील अर्थव्यवस्थाओं द्वारा बंदरगाहों के आधुनिकीकरण और डिजिटलीकरण के लिए उठाए गए कदमों को रेखांकित किया गया है। मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट नेटवर्क और त्वरित सीमा शुल्क प्रक्रियाओं के कारण आपूर्ति श्रृंखला (Supply Chain) में वैश्विक सुधार दर्ज किया गया है।

English Headline: International Renewable Energy Agency (IRENA) Unveils 'Global Offshore Wind Roadmap 2030' to Support Marine Green Energy Trade.
हिन्दी अनुवाद: अंतर्राष्ट्रीय अक्षय ऊर्जा एजेंसी (IRENA) ने समुद्री हरित ऊर्जा व्यापार का समर्थन करने के लिए 'वैश्विक अपतटीय पवन रोडमैप 2030' का अनावरण किया।
वैश्विक स्तर पर नेट-जीरो लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में IRENA ने अपतटीय (ऑफशोर) पवन ऊर्जा उत्पादन की क्षमता बढ़ाने के लिए एक विस्तृत रणनीति जारी की है। इस रोडमैप के तहत तटीय देशों में फ्लोटिंग विंड टर्बाइन विकसित करने और सीमा पार हरित ऊर्जा ट्रांसमिशन को सुगम बनाने पर बल दिया गया है।

BIHAR NEWS

English Headline: Bihar Department of Sugarcane Development Approves Modernization Support for Ethanol Plants and Agri-Processing Clusters in Western Champaran.
हिन्दी अनुवाद: बिहार गन्ना विकास विभाग ने पश्चिम चंपारण में इथेनॉल संयंत्रों और कृषि-प्रसंस्करण क्लस्टरों के आधुनिकीकरण सहायता को मंजूरी दी। राज्य में हरित ऊर्जा उत्पादन और कृषि-आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने एक महत्वपूर्ण वित्तीय प्रोत्साहन पैकेज को मंजूरी दी है। इस योजना के तहत बायो-इथेनॉल विनिर्माण इकाइयों के विस्तार के साथ-साथ स्थानीय किसानों को गन्ने का समय पर भुगतान और उन्नत किस्मों की आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी।

English Headline: Bihar State Health Society Launches 'Digital Swasthya Bihar 2.0' to Strengthen Tele-Medicine and Electronic Health Records at PHC Level.
हिन्दी अनुवाद: बिहार राज्य स्वास्थ्य समिति ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (PHC) स्तर पर टेली-मेडिसिन और इलेक्ट्रॉनिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड को मजबूत करने के लिए 'डिजिटल स्वास्थ्य बिहार 2.0' लॉन्च किया।
ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण प्राथमिक चिकित्सा सेवाओं की सुलभता बढ़ाने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने अपने डिजिटल नेटवर्क का विस्तार किया है। इसके अंतर्गत प्रखंड स्तरीय स्वास्थ्य केंद्रों को सीधे जिला अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों से जोड़ा जाएगा, जिससे त्वरित निदान और ई-प्रिस्क्रिप्शन की सुविधा मिलेगी।

SPORTS NEWS

English Headline: Indian Shooting Team Secures Top Position in the Medal Tally at the ISSF Junior World Cup Stage with Strong Pistol Performance.
हिन्दी अनुवाद: भारतीय निशानेबाजी टीम ने पिस्टल स्पर्धाओं में शानदार प्रदर्शन के साथ आईएसएसएफ (ISSF) जूनियर विश्व कप चरण की पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया।
अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारतीय निशानेबाजों का दबदबा जारी है। जूनियर विश्व कप में भारतीय दल ने व्यक्तिगत और टीम स्पर्धाओं में कई स्वर्ण पदक जीतकर तालिका में पहला स्थान हासिल किया, जो आगामी सीनियर वैश्विक आयोजनों के लिए मजबूत आधार प्रदर्शित करता है।

English Headline: Badminton World Federation (BWF) Announces Enhanced Structural Guidelines for Tournament Player Welfare and Workload Management.
हिन्दी अनुवाद: बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (BWF) ने टूर्नामेंटों में खिलाड़ियों के कल्याण और कार्यभार प्रबंधन के लिए उन्नत संरचनात्मक दिशानिर्देशों की घोषणा की।
अंतर्राष्ट्रीय बैडमिंटन कैलेंडर में खिलाड़ियों की चोटों से सुरक्षा और प्रदर्शन की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए बीडब्ल्यूएफ (BWF) ने नए नियम लागू किए हैं। इन दिशानिर्देशों के तहत प्रमुख दौरों के बीच अनिवार्य विश्राम अवधि और उन्नत रिकवरी सुविधाओं का प्रावधान किया गया है।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण ।

🎯 "परिश्रम वह सोना है जो हर कसौटी पर खरा उतरता है — पढ़ते रहो, बढ़ते रहो।"

BPSC 72वीं CCE: 26 जुलाई 2026 — अब मात्र 12 दिन शेष। अंतिम तैयारी में जुट जाएँ!

प्रेरक प्रसंग

संकल्प की कीमत

(23 जुलाई – चंद्रशेखर आज़ाद जयंती विशेष)

बालक चंद्रशेखर की उम्र बहुत कम थी, लेकिन उनके मन में देशप्रेम की ज्वाला प्रबल थी। एक दिन वे स्वतंत्रता आंदोलन में शामिल होकर अंग्रेज़ों के विरोध में नारे लगा रहे थे। पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया और अदालत में पेश किया।

न्यायाधीश ने मुस्कुराते हुए पूछा, “तुम्हारा नाम क्या है?”

बालक ने निर्भीक स्वर में उत्तर दिया, “आज़ाद।”

जज ने फिर पूछा, “तुम्हारे पिता का नाम?”

उत्तर मिला, “स्वतंत्रता।”

जज ने तीसरा प्रश्न किया, “तुम्हारा घर कहाँ है?”

बालक ने बिना डरे कहा, “जेलखाना।”

अदालत में सन्नाटा छा गया। जज क्रोधित हो गया। उसने बालक को कोड़ों की सज़ा सुनाई।

हर कोड़े के साथ चंद्रशेखर के मुँह से केवल एक ही स्वर निकलता—“भारत माता की जय!” दर्द बढ़ता गया, लेकिन उनका साहस नहीं टूटा। उनके चेहरे पर आँसू नहीं, बल्कि आत्मविश्वास दिखाई दे रहा था।

उस दिन वहाँ उपस्थित लोगों ने पहली बार देखा कि एक किशोर भी अपने संकल्प के लिए इतना अडिग हो सकता है। उसी दिन से लोग उन्हें "चंद्रशेखर आज़ाद" के नाम से पुकारने लगे।

वर्षों बाद यही बालक भारत के महान क्रांतिकारियों में गिना गया। उन्होंने जीवनभर अपने नाम के अनुरूप जीवन जिया और अपना संकल्प कभी नहीं छोड़ा।

प्रेरणा : महानता उम्र से नहीं, बल्कि साहस, आत्मसम्मान और अपने संकल्प पर अडिग रहने से प्राप्त होती है।

.................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

"शिक्षक संवर्धन"

विषय: स्व-आकलन और शिक्षक डायरी — अपने अनुभव से स्वयं को निखारना

शिक्षक साथियों, दुनिया का कोई भी प्रशिक्षण, अधिकारी या निरीक्षक हमें उतना बेहतर शिक्षक नहीं बना सकता जितना कि हमारा अपना 'स्व-आकलन' (Self-Assessment)। जब स्कूल की घंटी बजती है और हम कक्षा से बाहर निकलते हैं, तो केवल एक ही व्यक्ति जानता है कि आज का पाठ कितना सफल रहा—और वह हैं हम स्वयं। स्व-आकलन का अर्थ है अपनी शिक्षण प्रक्रिया पर रुककर सोचना, अपनी सफलताओं का आनंद लेना और अपनी असफलताओं से सीखकर आगे की योजना बनाना।

इस स्व-आकलन का सबसे प्रामाणिक और शक्तिशाली माध्यम है— हमारी 'शिक्षक डायरी' (Teacher's Diary)। अक्सर हम शिक्षक डायरी को केवल एक प्रशासनिक औपचारिकता या निरीक्षण (Inspection) के समय दिखाई जाने वाली फाइल मान लेते हैं। लेकिन वास्तव में, एक अच्छी शिक्षक डायरी केवल 'क्या पढ़ाना है' की सूची नहीं होती, बल्कि 'क्या घटा' का एक रिफ्लेक्टिव जर्नल (Reflective Journal) होती है। यह एक ऐसा दर्पण है जिसमें हम हर दिन अपनी व्यावसायिक यात्रा की प्रगति को साफ देख सकते हैं।

उदाहरण:

आइए इसे शिक्षक डायरी लिखने के दो अलग-अलग तरीकों से समझते हैं:

पारंपरिक तरीका (केवल औपचारिकता):

"दिनांक: 22 जुलाई | कक्षा: 4 | विषय: गणित | पाठ: भिन्नों का जोड़ पढ़ाया गया। अभ्यास कार्य कराया गया।"

यह विवरण हमें यह नहीं बताता कि बच्चों ने कितना समझा या शिक्षक को कहाँ कठिनाई आई।

रिफ्लेक्टिव तरीका (वास्तविक स्व-आकलन):

"दिनांक: 22 जुलाई | कक्षा: 4 | विषय: गणित | पाठ: भिन्नों का जोड़"

क्या अच्छा रहा: जब मैंने कागज़ को मोड़कर 1/2 और 1/4 का हिस्सा दिखाया, तो 80% बच्चों के चेहरे पर समझ की चमक दिखाई दी।

कहाँ अड़चन आई: समान हर (Like Fractions) वाले सवाल तो बच्चों ने आसानी से हल कर लिए, लेकिन असमान हर (Unlike Fractions) वाले सवाल में 'अमन' और 'सोनू' उलझ गए।

कल का नया विचार: कल मैं सीधे बोर्ड पर एलसीएम (LCM) निकालने के बजाय माचिस की तीलियों की मदद से असमान हरों को समान बनाकर समझाऊँगा।

यहाँ शिक्षक ने न केवल अपनी कक्षा का निष्पक्ष आकलन किया, बल्कि कल के उपचारात्मक शिक्षण का बीज भी आज ही अपनी डायरी में रोप दिया।

शिक्षक साथियों, दैनिक स्व-आकलन के लिए आप कक्षा के अंत में खुद से तीन छोटे सवाल पूछ सकते हैं:

क्या मेरी कक्षा में आज बच्चे बोले या सिर्फ मैं ही बोलता रहा?

क्या अंतिम पंक्ति में बैठा बच्चा भी सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा था?

यदि आज का पाठ असफल रहा, तो उसमें मैं अपनी रणनीति को कैसे बदल सकता हूँ?

जब हम हर दिन अपनी शिक्षक डायरी में इन तीन प्रश्नों के उत्तरों का सूक्ष्म मंथन करते हैं, तो 10-15 मिनट का यह चिंतन हमें साल दर साल एक सामान्य शिक्षक से निकालकर एक 'अनुसंधानी और नवाचारी शिक्षक' बना देता है।

आज के इस संवर्धन अंक का सार यह है कि व्यावसायिक विकास का पहला कदम अपनी ही गलतियों को स्वीकार करना और उनसे सीखना है। जब शिक्षक डायरी हमारी आत्मकथा और शोध-पुस्तिका बन जाती है, तो शिक्षण का कार्य एक उबाऊ दिनचर्या न रहकर ज्ञान का एक आनंदमयी अन्वेषण बन जाता है। आज चिंतन कीजिएगा कि क्या आपकी शिक्षक डायरी केवल एक योजना है या आपकी कक्षा के अनुभवों का दर्पण भी?

..................✍️

मनोज कुमार झा

प्रधानाध्यापक

राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय

बेतिया, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

संडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बाद इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01

सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वे अंक मे प्रश्न है, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त मे यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वो का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ मे स्वीच का कार्य, पर्यावरण मे प्राथमिक उत्पादक, मानव मे पाचन एंजाइम का उदाहरण, वीरंगी के लेखक कौन है। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत मे प्रेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026

बगहा जागरण

'चंपारण–ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

संवाद सूत्र, जागरण॰ बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यावहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो ● जागरण

राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि माडल से सर्वांगीण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक, संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

> सरकारी विद्यालयों मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
>
> फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

"बिहार दर्शन : बांका, अंक–2"

'संपादकीय'✍️

बांका: मंदार का समुद्र-मंथन वैभव, बौंसी का सांस्कृतिक संगम और संताल क्रांति का शंखनाद

बांका का इतिहास केवल कालखंडों का ब्यौरा नहीं, बल्कि भारतीय सनातन और जैन परंपराओं का एक साझा दार्शनिक तीर्थ है। इस भूमि का मुकुटमणि मंदार पर्वत (Mandar Hill) है, जिसके बारे में पौराणिक मान्यता है कि देवों और असुरों ने समुद्र-मंथन के दौरान इसी विशाल पर्वत को मथानी (मंदर) बनाया था और नागराज वासुकी को नेती (रस्सी)। पर्वत के पृष्ठभाग पर आज भी नागराज की कुंडलित आकृति की प्राकृतिक रेखाएँ विद्यमान हैं। सनातन परंपरा में यह भगवान विष्णु के 'मसूदन' स्वरूप और लक्ष्मी जी की लीला-भूमि है, तो दूसरी ओर यह जैन धर्म के 12वें तीर्थंकर भगवान वासुपूज्य की केवलज्ञान और मोक्ष कल्याणक भूमि है। पर्वत की तलहटी में स्थित पापहारिणी सरोवर और पहाड़ी की चट्टानों को काटकर बनाई गई 'वाराह गुफा' की मूर्तियाँ गुप्तकालीन कला और सर्व-धर्म समभाव का वैश्विक साक्ष्य प्रस्तुत करती हैं।

संस्कृति के धरातल पर बांका की सबसे बड़ी पहचान ऐतिहासिक बौसी मेला (मकर संक्रांति मेला) है। मकर संक्रांति के अवसर पर पापहारिणी सरोवर में स्नान कर मंदार पर्वत पर स्थित मसूदन भगवान का अभिषेक करने की यह परंपरा सदियों पुरानी है। यह केवल एक धार्मिक समागम नहीं, बल्कि बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल की लोक-संस्कृतियों, कलाकृतियों और ग्रामीण व्यापार का एक विशाल लोक-उत्सव है। इस सांस्कृतिक ताने-बाने को और गहराई प्रदान करती है कटोरिया और चांदन की आदिवासी संताली संस्कृति, जहाँ का 'सोहराय' और 'बाहा' पर्व प्रकृति-पूजा की मौलिकता को जीवित रखता है। इसके साथ ही, अमरपुर में स्थित शाह कुतुब की ऐतिहासिक मज़ार और सूफी संतों का प्रभाव इस जिले को सांप्रदायिक सौहार्द का एक मजबूत आधार प्रदान करता है।

औपनिवेशिक हुकूमत और जमींदारी उत्पीड़न के खिलाफ बांका का इतिहास धधकते हुए प्रतिरोधों से भरा हुआ है। यह भूमि 1855 के प्रसिद्ध संताल विद्रोह (सूलगान) और 1784 के तिलका मांझी आंदोलन की मुख्य आँच में तप चुकी है। कटोरिया, बेलहर और चांदन के घने जंगलों को आधार बनाकर संताल क्रांति के महान नायकों—सिधु, कान्हू, चांद और भैरव—ने अंग्रेजों की बंदूकधारी सेना के खिलाफ तीर-धनुष से वह ऐतिहासिक संघर्ष छेड़ा था जिसने ब्रिटिश हुकूमत की नींव हिला दी। औपनिवेशिक शोषण के खिलाफ इस संताली प्रतिरोध ने न केवल बांका के सुदूर गाँवों को जगाया, बल्कि 1857 की क्रांति के लिए एक मजबूत सामाजिक पृष्ठभूमि तैयार की।

स्वतंत्रता संग्राम के आधुनिक कालखंड में बांका की क्रांतिकारी चेतना अग्रिम पंक्ति में रही। 1942 के 'भारत छोड़ो आंदोलन' के दौरान बेलहर, बौंसी और अमरपुर के क्षेत्रों में स्थानीय क्रांतिकारियों ने ब्रिटिश संचार व्यवस्था और थानों पर धावा बोलकर स्वतंत्रता का बिगुल फूंका था। इस आंदोलन में महेंद्र गोप और सतीश चंद्र झा (11 अगस्त 1942 को पटना सचिवालय गोलीकांड में शहीद हुए 7 अमर छात्रों में से एक, जिनका संबंध बांका के ढ़ाका गाँव से था) जैसे तरुण जन-नायकों का अमर बलिदान आज भी बांका के हर नागरिक के दिल में राष्ट्रवाद की अलख जगाता है।

बांका का यह दूसरा ऐतिहासिक अंक यह प्रमाणित करता है कि यहाँ की मिट्टी में दार्शनिक सहिष्णुता, लोक-संस्कृति की मिठास और अन्याय के खिलाफ उबलने वाला क्रांतिकारी रक्त एक साथ बहता है। मंदार की चट्टानों पर उकेरी गई पौराणिक स्मृतियाँ हों, बौंसी मेले की लोक-धुनें हों या शहीद सतीश चंद्र झा का अप्रतिम बलिदान—ये सभी तत्व मिलकर बांका को भारतीय अस्मिता का एक अमूल्य और वंदनीय अध्याय बनाते हैं। ....✍️

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org